B.Com. (HONS)
P3 - A/cs & Finance Group.
Paper - VI
Cost and Management Accounting
Date - 30.07.2020

प्रो० ज्ञानेन्द्र कुमार
सहायक आचार्य,
वाणिज्य विभाग
V.S.S. महाविद्यालय,
कानपुर (उ०प्र०)

UNIT - IV

TOPIC - RATIO ANALYSIS AND CLASSIFICATION OF RATIOS

वास्तव में अनुपात विश्लेषण एक आधुनिक युक्ति है। इसकी सहायता से संस्था की व्यावसायिक क्षमता, वित्तीय स्थिति एवं भविष्य का पूर्वानुमान सरलता से लगा लिया जा सकता है। क्योंकि यह वित्तीय प्रबंध का एक महत्वपूर्ण उपकरण है, लेकिन व्यवहार में इसकी कुछ सीमाएँ भी हैं। अतः प्रयोग के समय इसमें अन्तर्निहित सीमाओं को ध्यान में रखना आवश्यक होता है।

अनुपात विश्लेषण की कुछ सीमाएँ (दोष) निम्नलिखित हैं :→

(i) मूल आँकड़ों की गलती का प्रभाव :→ यदि वित्तीय विवरणों के मूल आँकड़ों में ही कोई कमियाँ या गलतियाँ हों, या आँकड़ों को अच्छा परिणाम दिखाने के लिए Window-dressing किया गया हो तो अनुपातों के निष्कर्ष भी भ्रमित एवं अविश्वसनीय होंगे।

(ii) एक अनुपात का सीमित महत्व :→ सामान्य तौर पर निर्वचन और विश्लेषण एक अनुपात के आधार पर नहीं किया जा सकता। क्योंकि एक अनुपात का अपने आप में कोई विशिष्ट महत्व नहीं होता। इस संबंध में केनेडी व मैकमूलन का कथन है कि— "एक अकेला अनुपात अपने आप में अर्थहीन होता है, यह सम्पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता।"

(iii) लेखांकन नीतियों में भिन्नता :- जब भिन्न-2 फर्मों के लेखांकन अनुपातों की तुलना की जाती है तब ऐसी स्थिति में अलग लेखांकन नीतियों की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। क्योंकि फर्मों द्वारा भिन्न-2 लेखांकन नीतियों का प्रयोग किया जाता है। विशेषकर, आय की प्रकृति, एवं स्टॉक का मूल्यांकन आदि में भिन्नता होना।

(iv) भूतकालीन समंकों के आधार पर भावी अनुपात का [redacted] अनुमान :- [redacted] सामान्यतः अनुपातों की गणना भूतकाल के समंकों के आधार पर की जाती है। इनका प्रयोग वर्तमान अथवा भविष्य के लिए हमेशा वांछनीय नहीं होता है। क्योंकि भूतकालीन प्रवृत्ति, भविष्य की प्रवृत्ति से भिन्न हो सकती है।

(v) पक्षपात का प्रभाव :- अनुपात वास्तव में वित्तीय विवरण का साधन मात्र है। इसके विश्लेषण में विश्लेषक की अपनी योग्यता एवं पक्षपात की भावना निष्कर्षों को प्रभावित करती है।

(vi) गुणात्मक विश्लेषण का अभाव :- अनुपात केवल [redacted] परिमाणात्मक विश्लेषण के लिए साधन मात्र होते हैं, गुणात्मक विश्लेषण पर ध्यान नहीं दिया जाता है। जबकि परिमाणात्मक तथ्यों से कई बार गुणात्मक तथ्य अधिक महत्वपूर्ण होता है। अतः ऐसी स्थिति में निष्कर्ष भ्रामक हो सकते हैं।

(vii) प्रदर्शन कला (Window Dressing) :- कुछ संस्थाओं द्वारा अपनी सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और अच्छी लाभदायकता दिखाने के लिए अपने वित्तीय विवरणों को प्रकाशित करने से पूर्व इस तरह परिवर्तित कर लेते हैं कि वास्तविक तथ्य गुप्त रह जाते हैं। जिससे बाहरी पक्षकारों को सतर्क रहने की आवश्यकता होती है।

Scanned with CamScanner

(viii) उचित प्रमापों का अभाव :-) अनुपात विश्लेषण से अभिप्राय तुलना है किन्तु उचित प्रमापों का सर्वदा अभाव पाया जाता है। कारण प्रत्येक संस्था की अपनी-अपनी प्रकृति होती है। अतः व्यवहार में उचित प्रमापों के अभाव के कारण तुलना करना संभव नहीं हो पाता।

(ix) मूल्य स्तर परिवर्तन का प्रभाव :-) मूल्य स्तर में परिवर्तन होने से विभिन्न वर्षों के अनुपात की तुलना करने से सही निष्कर्ष के स्थान पर भ्रामक परिणाम प्राप्त हो जाते हैं। अतः विभिन्न वर्षों के अनुपातों की तुलना करते समय मूल्यों में परिवर्तन को भी ध्यान में रखा जाता है।

उपर्युक्त सीमाओं का अर्थ यही है कि अनुपातों की गणना करते समय सावधानी बरतनी चाहिए अन्यथा इन्हें ध्यान में रखे बिना परिणाम निकाला जाता है तो वे भ्रामक, अविश्वसनीय और व्यर्थ हो सकते हैं।

अनुपातों का वर्गीकरण

सुविधा एवं सरलता की दृष्टिकोण से अनुपातों का वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया जाता है:—

(A) तरलता अनुपात

(B) शोधन-क्षमता अनुपात

(C) निष्पादन या क्रिया शीलता अनुपात

(D) लाभदायकता अनुपात।

(A) तरलता अनुपात (LIQUIDITY RATIO) :-) किसी संस्था की अल्पकालीन शोधन क्षमता की जाँच करने के लिए तरलता अनुपात का प्रयोग किया जाता है। यह

Scanned with CamScanner

व्यवसाय के अल्पकालीन ऋणों के भुगतान करने की क्षमता की जानकारी प्रदान करता है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित अनुपातों की गणना की जाती है:—

(i) चालू अनुपात या कार्यशील पूंजी अनुपात (Current Ratio or Working Capital Ratio)

यह अनुपात व्यवसाय की चालू संपत्तियों का चालू दायित्वों से संबंध स्थापित करता है, तथा चालू ऋणों के भुगतान करने की क्षमता की जानकारी प्रदान करता है। व्यवसाय के लिए यह अनुपात 2:1 आदर्श माना जाता है। इसे निम्न तरह से ज्ञात किया जाता है—

$$\text{Current Ratio} = \frac{\text{Current Assets}}{\text{Current Liabilities}}$$

नोट:- एक वर्ष के अंदर नकदी में परिवर्तित संपत्ति को Current Assets में तथा एक वर्ष के अंदर दायित्व का भुगतान करने को Current Liabilities में शामिल किया जाता है।

(ii) तरल अनुपात या शीघ्र अनुपात (Liquid Ratio या Quick Ratio) :- यह अनुपात व्यवसाय की तुरंत भुगतान क्षमता की जानकारी के प्रयोग में लाया जाता है। इसका 1:1 अनुपात को आदर्श माना गया है। इसे निम्न तरह से ज्ञात किया जाता है:—

$$\text{Quick Ratio} = \frac{\text{Liquid Assets}}{\text{Current Liabilities}}$$

नोट:- Liquid Assets = Current Assets − (Stock + Prepaid Exp.)